

संक्षिप्त खबरें

आज का अधिकतम तापमान
दहरा 39.5 डिग्री सेल्सियस

मुजफ्फरपुर। पछिया हवा के साथ
भीषण गर्मी का कहर आज भी

देखते हुए गर्मी और लू से अगले

कुछ दिनों तक राहत मिलेंगी की

सम्भावना नहीं है। जलवायु

परिवर्तन पर उच्च अध्ययन

केंद्रों द्वारा प्रसाद के द्वारा की

विश्वविद्यालय के फैसला

से मिली जानकारी के अनुसार,

आज का अधिकतम तापमान

39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

गया। हाइकोड कल की ओपरेशन

आज अधिकतम तापमान में

हल्की कमी आई है। कल

अधिकतम तापमान 40 डिग्री

सेल्सियस था। आज का व्यूनूतम

तापमान 20 डिग्री सेल्सियस

रिकॉर्ड किया गया। जो सामान्य

1.5 डिग्री कम है। आज पछिया हवा

की गति 25.5 फिली प्रति घंटा रही।

सुबह में साथें आठ 61 प्रतिशत

तथा दोपहर 2 बाद घटकर 25

प्रतिशत हो गई।

हाथों पर गैंडही से लिखकर

बताया गया। मतदान का महत्व

विभूतिपूर्ण, समर्तीपूर्ण विभूतिपूर्ण

प्रशंड अंतर्गत कल्याणपूर उत्तर

पंचायत स्थित पंचायत सरकार

भवन दूर संख्या 89 पर जीविका

दीर्घी की शित प्रतिशत मतदान में

भागीदारी निभाने के लिए शपथ

दिलवाया गया। वहीं मतदाना

जागलकाटा अधिकारी हेतु रोगी

बनाकर, ऐली निकालकर, एवं

जीविका दीर्घी के हाथों पर मैटही से

लिखकर जागलक कर देते हुए

उसके मध्ये के महत्व के बताया।

मौके पर प्रशंड परियोजना प्रबंधन

संजीव कु मार पासावान,

सामुदायिक समन्वय कोविंद

कुमार, सती कु मारी, अनीता दीर्घी,

शिवायी दीर्घी, यामलाला

कु मारी, वीना दीर्घी एवं संबंधित

प्रयोगत के फैटर उपरिथत थे।

जट्यू शिथा प्रकोष्ठ के प्रसंद

अध्ययन बने संजीव कु मार झा

उर्फ खण्डन

विभूतिपूर, समर्तीपूर। जट्यू

शिथा प्रकोष्ठ के विभूतिपूर प्रबंड

अध्यक्ष के पद पर संजीव कु मार झा

उर्फ खण्डन का बयान किया

गया है। संजीव कु मार झा उर्फ

खण्डन जट्यू द्वारा विभूतिपूर उत्तर

पंचायत के पंचायत अध्यक्ष एवं

विभूतिपूर कोविंद के प्रबंधन

प्रबंड अध्यक्ष बनाने जाने पर

प्राकृतिक योजना के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

करने के बाद विभूतिपूर को

प्रबंड अध्यक्ष बनाने के बढ़ावा

झूठ क हलफनाम आर हलफनामों का झूठ.....

भारत के नेता

लोकसभा चुनाव में भाजपा का नेतृत्व करने वाले देश के गृहमंतीर्णी परिषद् अधिनियमाला के हलफार्मानमें से ही बात शक्ति रखते हैं। गृहमंतीर्णा में

जाना जाता था कि हरामन के तह पर्याप्त शुल्क पर्याप्त हो गया था। अमित बाजपा उमीदवार और गृह मंत्री अमित शाह के पास 20 करोड़ की लाख रुपये देकर वापस आये। इसके बाद उनके बाप वाल और 16 करोड़ की अचल संपत्ति है लेकिन शाह के पास खुद की लाख रुपये नहीं हैं। आयोग में दाखिल चुनावी हलफानमे के अनुसार, उनके पास 72 लाख के गहने हैं। इनमें उनके खरीदे हुए सिर्फ 8,76 लाख के गहने हैं। पती के पास सोने के 1620 ग्राम और हीरे के 63 कैरेट के गहने हैं। यह मंत्री के पास 24, 164 रुपये नकद, 42 लाख का लोन भी। शाह बाहबल करोड़पति होकर भी कार क्यों नहीं खरीद पाए ये एक रहस्य है। उसका उद्घाटन वे खुद कर सकते हैं या राम जी। कहते हैं कि राजनीति

अनेसे पहले वे मनसा में स्लाइटिक के पाइ का परिचारिक व्यवसाय बंधलते थे। वे बहुत कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वरंसेवक संघ से जुड़ गए। 1982 में उनके अपने कॉलेज के दिनों में शाह की भेंट नरेंद्र मोदी के हुई। 1983 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और इस पराह उनका छात्र जीवन में राजनीतिक रुझान बना। शाह साहब 1997 में चुनाव लड़ रहे हैं। पहले वे विधायक हुआ करते थे, अब देश के हमंती हैं। उनका खानदानी पेशा दलाली [ब्रोकरेज] का है। शाह जी अब तक 5 विधानसभा चुनाव लड़े और जीत [लोकसभा का पहला

युवाव उन्होंने 2019 में लड़ा और जात, जीत ही नहीं सोधे गृहमंजीरी भी बनाये गए, लेकिन बेचारे 27 साल में एक कार नहीं खरीद पाए। अब आपको मैं पूरे 543 नेताओं के हलफनामे तो दिखा नहीं सकता केन्द्र जो दिलचस्प हैं उनकी बात अवश्य करता है। अल्पसंख्यकों की बात औवेसी का चुनावी हलफनामा औवेसी की सम्पत्ति का खुलासा करता है। चुनाव आयोग में भरे अपने हलफनामे में असदुद्दीन औवेसी ने अपनी संपत्ति को लेकर खुलासा किया है, इसके मुताबिक उनके पास 2.80 करोड़ रुपए की चल संपत्ति हैं, इसमें कैश, सोना, बीमा जैसे चीजें शामिल हैं। औवेसी की पती के नाम पर 15.71 लाख रुपए की चल संपत्ति दर्शाई गई है, जबकि उनके पास 16.01 करोड़ रुपए की अचल

संपत्ति भी है। 1994 से चुनावी राजनीति में सक्रिय औबेसी ओवैसी पर 7 करोड़ रुपए का लोन भी है। उन्होंने एक घर लोन पर लिया है जिसकी कीमत 3.85 करोड़ रुपए है। सबसे दिलचस्प हलफनामा मध्यदेश 18 साल मुख्यमंत्री रहे मामा शिवराज सिंह चौहान का है। विदिशा नोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले शिवराज संघ चौहान ने चुनाव अयोग को दिए हलफनामे में बताया है कि उनके आप 1, 24, 85, 475 रुपये की चल और 2, 17, 60, 000 रुपये की भूमि भ्रचल संपत्ति है। शिवराज की पत्नी साधना सिंह की संपत्ति भी 5 महीनों 15 लाख रुपए बढ़ी है। अगर नकदी की बात करें तो शिवराज सिंह औहान के पास कल 2 लाख 5 हजार रुपये नकद हैं, बढ़ी उनकी पत्नी

माधवन का वापस उत्तर २ लाख ६ हजार ८०५ पय नकद है, जहां उत्तराखण्ड में संस्थान सिंह के पास करीब १ लाख ६५ हजार रुपये नकद हैं। शिवारका वापसी संस्थान के पास करीब १ लाख ६५ हजार रुपये नकद हैं। वर्षी उत्तरी पश्चीम साधनारोगिक संस्थान के ऊपर करीब ६४ लाख रुपये का कर्ज है। मजे की बात ये कि करते थे अमरे मामा के पास भी कोई कार नहीं है। मामा कार लेकर करते थीं और आया। ? उन्होंने तो पूरे १८ साल सरकारी हवाई जहाज और हैलीकाटर से एक स्कूटर की तरह जोता था। हमारे देश में गरीबी अभिशाप और अमीरीका विपरदान है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए चुनाव मैदान में अधिकारी नहीं हैं। इनके बाद तरे प्रत्याशियों के हलफनामे देखकर आप चौंक सकते हैं। लेकिन मैं आपको आभी तक आये हलफनामों के आधार पर बता सकता हूँ कि आपको बसेस अमीर और सबसे गरीब प्रत्याशी कौन रहा। केंचुआ के आकड़ों की अनुमतिक सबसे अमीर उम्मीदवार मध्य प्रदेश के छिदवाड़ा से मौजूदा

पृथ्वी को सुरक्षित रखना है तो प्लाइटिक को कहना होगा ना

22 अप्रैल का विवर स्टार पर मनाया जाने वाला पुरुषी विवेक, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने आंदे इक्सीज निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण मंथ प्रदान करता है। और इस बार पृथ्वी दिवस 2024 की थीम है, ह्लैनेट बनाने प्लास्टिक हड्डे परिवर्तित करने और मानव स्थानीय दोनों की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है, ताकि पुरुषी बची रहे। प्लास्टिक से पर्यावरण खतों में है। हमने इसे आज खतरनाक स्थिति में पुरुषा दिया है। ऐसे में पर्यावरण की तस्वीर धूंधली होती जा रही है। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, अवैध खनन, निर्माण और विनाशकारी पदार्थों के प्रयोग से पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। कह सकते हैं पर्यावरण के जैविक और अजैविक घटकों में तेजी से हो रहे बदलाव ने प्रदूषण शब्द को पौदा कर दिया है। इसने प्लास्टिक प्रदूषण एक प्रकार का अत्यंत धीमा जहर है जो हाथ, पानी, धूल आदि के माध्यम से न केवल मानवशक्ति के शरीर में प्रवेश कर उसे रोग ग्रस्त बना रहा है, बल्कि जौवा-जूतों पर्श-पश्चिमों, पेड़-पौधों और वनस्पतियों की भी नष्ट कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण का कारण ही आज विश्व में जीवन खतों में है। इस की वजह से बहुत से जीव जंतु, पशु-पश्ची, वन्य प्राणी दुरिया से विलूप्त हो गए हैं या क़गार पर हैं। यही नहीं प्रदूषण से कैंसर, रक्ताघात, शुगर, दमा, मलिरिया, चर्किरोग, नेत्ररोग जैसी बीमारी से इन्हाने संघर्ष कर रहा है। डियाने वाली बाकी कहें तो सारा विश्व भयाकांत है। पर्यावरण को प्रदृष्टि करने में आज के समय में प्लास्टिक की भूमिका अहं हो गयी है प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के लिये एक गंभीर संकट बन गया है और आने वाले समय में यह और भी ज्यादा भयावह होने वाला है। प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक से बने अन्य उत्पाद छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं



संजय पुर्णमार लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

19

एक वैश्विक उत्सव बन गया है, जिसमें 193 से अधिक देशों में सालाना एक अरब से अधिक लोग भाग लेते हैं। विकास और बेहतर जीवन की चाहत ने पृथ्वी को खतरे में डाल दिया है। खासकर पशु-पक्षी-मानव बल्कि हर जीव का स्वास्थ्य खतरे में है, जो एक गंभीर चिंता के रूप में है। 22 अप्रैल को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। और इस बार पृथ्वी दिवस 2024 की थीम है, हालौनेट बानाम प्लास्टिकहूँ, जो पारिस्थितिक और मानव स्वास्थ्य दोनों की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है, ताकि पृथ्वी बची रहे। प्लास्टिक से पर्यावरण खतरे में हैं। हमने इसे आज खतरनाक स्थिति में पहुंचा दिया है। ऐसे में पर्यावरण की तस्वीर धुंधली होती जा रही है। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, अवैध खनन, नियाण और विनाशकारी पदार्थों के प्रयोग से पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। कह सकते हैं पर्यावरण के जैविक और अजैविक घटकों में तेजी से हो रहे बदलाव ने प्रदूषण शब्द को पैदा एक प्रकार का अत्यंत धीमा जहर है, जो हवा, पानी, धूल आदि के माध्यम से न केवल मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर उसे रोग ग्रस्त बना रहा है, बल्कि जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और वनस्पतियों को भी नष्ट कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के कारण ही आज विश्व में जीवन खतरे में है। इस की वजह से बहुत से जीव जंतु, पशु-पक्षी, बन्य प्राणी दुनिया से विलुप्त हो गए हैं या कागार पर हैं। यही नहीं प्रदूषण से कैसर, रक्ताच, शुगर, दमा, मलेरिया, चम्परोग, नेत्ररोग जैसी बीमारी से इन्सान संघर्ष कर रहा है। डरने वाली बात कहें तो सारा विश्व भयाकांत है। पर्यावरण को प्रदूषित करने में आज के समय में प्लास्टिक की भूमिका अहं हो गयी है। प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के लिये एक गंभीर संकट बन गया है और आने वाले समय में यह और भी ज्यादा भयावह होने वाला है। प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक से बने अन्य उत्पाद छोटे-छोटे ढांडों में टूट जाते हैं तथा मिट्टी और पानी के स्त्रोतों में मिल जाते हैं, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। देखें तो प्लास्टिक प्रदूषण हमारे पर्यावरण और पृथ्वी के जनजीवन पर सीधा प्रभाव कि प्लास्टिक से उत्पन्न कचरा पाने के स्त्रोतों जैसे कि, नदियों, समुद्रों तथा महासागरों में मिल जाता है और जल स्रोतों को प्रभावित करता है। इसके अलावा हवा द्वारा उड़ा लिये जाने पर प्लास्टिक के छोटे-छोटे ढांडे एक स्थान से उड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचते हैं और प्लास्टिक के बहुत कठिनाकारक रसायन उत्पन्न करते हैं जो मिट्टी के गुण तथा उत्करकता को नष्ट कर देता है। यह पेड़-पौधों के बृद्धि को भी प्रभावित करते हैं। पशु-अंग द्वारा कचरे में फेका गया खाना खाया जाता है। वह प्लास्टिक बैग को अपने खाने के साथ खा लेते हैं जो उनके आंतों में फंस जाता है और उनकी मृत्यु हो जाती है या फिर उनके अंदर कई गंभीर बीमारीयां उत्पन्न कर देते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि प्लास्टिक प्रदूषण आज विकाराल ही नहीं, बल्कि अपने भयावाह काल से गुजर रहा है और जिस प्लास्टिक को हमने विकास से जोड़ा, इसनी जीवन को बदला। आज वह इन्सान के साथ-साथ धरती के सभी जीव जंतुओं के लिए तबाही का हथियार बना हुआ है। पहले हमने प्लास्टिक को बदावा दिया और आज यह हमारी जीवन में इतना धुल मिल गया है जिसके

A photograph showing a massive, sprawling pile of discarded plastic waste, primarily plastic bottles and containers, covering a large area of land. The plastic is in various colors, including white, green, blue, and yellow. In the background, several people are standing near a vehicle, appearing small in comparison to the vast amount of waste.

एनईपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2040 तक दुनिया भर के देश और कंपनियां जूदा तकनीकों का उपयोग करके बढ़ाव देते और बाजार में बदलाव करती हैं, 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण 80 शत तक कम हो सकता है। अंकलन कि पुनर्चक्रण या रीसाइकिलिंग, यदि चर्चक्रण एक अधिक स्थिर और भद्रायक उदय बन जाता है, तो 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को अंतिरिक्त 20 शत तक कम किया जा सकता पुनर्विनियास और विविधता वैकल्पिक माझी जैसे कागज या कूड़े की खाद कंपोस्टेबल सामग्री से बने उत्पादों साथ प्लास्टिक रैपर, पाउच और अंचेव आइटम जैसे उत्पादों के बदले या सामग्रियों को अपनाने से प्लास्टिक प्रदूषण में कमी लाइ जा सकती है। जल या एक बार उपयोग और छोटी विधि में उपयोग किए जाने वाले उत्पादों 10 करोड़ मीट्रिक टन प्लास्टिक को भी 2040 तक सुरक्षित रूप से बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। इसे रीसाइकिलिंग योग्य प्लास्टिक के बदले के निपटान के लिए डिजाइन और सुरक्षा मानकों को स्थापित करने और लागू करने और माइक्रोप्लास्टिक बदलाव वाले उत्पादों पर लगाम लाकर हल किया जा सकता है।

की दीरी से 2040 तक 80 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ सकता है। प्लास्टिक प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न होता है। सब उत्तरा है कि प्लास्टिक प्रदूषण को कैसे बोके। अपने दैनिक जीवन में अपने कर हम प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में महात्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उपयोग ना करके/ अन्य विकल्पों का अपना कर प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिये सबसे महात्वपूर्ण कदम यह है कि हमें प्लास्टिक के उपयोग से बचना होगा। हम इनके उपयोग के आदि हो चुके हैं तथा यह काफी सस्ते भी हैं, इसलिये हम इन उपयोग को पूरी तरह से बंद नहीं देंगे। हालांकि हम उन प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को आसानी बंद कर सकते हैं, जिनके इकोफ्रैंड विकल्प उपलब्ध हैं। प्लास्टिक बैंड और प्लास्टिक से बने अन्य वस्तुओं के उपयोग नहीं बंद कर सकते तो कम कम उन्हे फेंकने से पहले जिन बार भी हो सके उनका पुनरुत्थान करें। प्लैनेट बनाम प्लास्टिक हावधिय साथ, पृथ्वी दिवस 2024-2040 तक प्लास्टिक उत्पादन में 60% की कमी एकल-उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन पर अमल करें।

दलबदलूः हमंका उनसे वफा का ह उम्माद ?

परवारवादा राजनीतिज्ञ कहा जाता है। दूसरा श्रेणी के पहले लोग जा छात्र राजनीति या गावंपथ्यावती की सियासत से निकलकर आये हैं। और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि तीसरी श्रेणी में वह लोग आते हैं जो अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाते और पूर्णतयः अयोग्य होते हैं। इसी श्रेणी प्रायः सम्पदायवादी, जातिवादी, क्षेत्रवादी राजनीति कर सफलता का शार्ट कट अपनाते हैं। बाहुबली व दबग छवि के लोग भी प्रायः इसी श्रेणी में गिने जा। अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग राजनीति में ऐसे होते हैं जो उच्च शिक्षा ग्रहण कर और अंतरात्मा से देश की सेवा करने की गरज से राजनीति में पदार्पण करते हैं। चूँकि ऐसे लोगों की संख्या कम होती है इसलिये कुल मिलकर नाकारे राजनीतिज्ञों का वर्ग इनपर भी हावी हो जाता है। और इसी दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों का ही परिणाम है कि हमारा देश की राजनीति में इस समय चरित्रवान् विचारवान् लोगों की कमी है जबकि अपराधी, स्वार्थी, चरित्रहीन, साम्पदायिकतावादी, जातिवादी, मवकार, झूठे, बेर्मान, दलबदलू, अवसरवादी तथा पूर्वग्रही लोगों की भरमार है।



તનવાર જાફ્રી

લેખક વાિષ પત્રકાર વ સ્તમ્ભકાર હૈ

वं तंमान दौर में हमारे देश में राजनीतिज्ञों की छवि ऐसी बन चुकी है कि यदि आप किसी भी अभिभावक से पूछें कि क्या वह अपनी संतान को नेता बनाना पसंद करेगा ? तो शायद ही इसके जवाब में कोई हाँ कहता दिखाई दे। दरअसल आप तौर से राजनीति में तीन श्रेणियों के लोग ही सक्रिय दिखाई देते हैं। पहली श्रेणी उन लोगों की जिन्हें राजनीति परिवारिक विवास्त में मिली है। सरल भाषा में जिन्हें परिवारवादी राजनीतिज्ञ कहा जाता है। दूसरी श्रेणी के वह लोग जो छात्र राजनीति या गांव पंचायत की सियासत से निकलकर आये हैं। और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि तीसरी श्रेणी में वह लोग आते हैं जो अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाते और पूर्णतयः अयोग्य होते हैं। इसी श्रेणी प्रयाः सम्प्रदायवादी, जातिवादी, क्षेत्रवादी राजनीति कर सफलता का स्टार्ट कर अपनाते हैं। बाहुबली व दबंग छवि के लोग भी प्रायः इसी श्रेणी में गिने जा। अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग राजनीति में ऐसे होते हैं जैसे उच्च शिक्षा ग्रहण कर और अंतरात्मा से देश की सेवा करने की गरज से राजनीति में पदार्पण करते हैं। चूँकि ऐसे लोगों की संख्या कम होती है इसलिये कुल मिलकर नाकारे राजनीतिज्ञों का वर्ग इनपर भी हावी हो जाता है। और इसी दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों का ही परिणाम है कि हमारा देश की राजनीति में इस समय चरित्रवान व विचारवान लोगों की कमी है जबकि अपराधी, स्वार्थी, चरित्रहीन, साम्प्रदायिकतावादी, जातिवादी, मक्कार, झूठे, बेईमान, दलबदल, अवसरवादी तथा पूयांग्रही लोगों की भरमार है। आपने देखा होगा कि कभी पत्रकार ने किसी एम एल ए से ही एमएलए का फुल फार्म पूछा और वह नहीं बता पाया। दूसरों को वन्देमातरम जबरन पढ़ाने के लिये भर मिट्टने के लिये तैयार कई लोगों से कैमरे के सामने लाईव डिबेट में जब वन्देमातरम सुनाने के लिये कहा गया तो वह स्वयं नहीं सुना पाया। अधिकांश नेताओं में जहालत के ऐसे अनेक प्रमाण सुनने को मिल जायेंगे। जब ऐसे लोगों के राजनीति करने का मकसद ही धनार्जन, स्वार्थ, और अपने राजनैतिक भविष्य को सुरक्षित रखना हो तो जाहिर है वहां विचारधारा या वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की चीज़ कोई महत्व रखती। ऐसे जीवी फरोशेश और मौका परस्तों को भले ही जनता पहचानने में चूँकि कर देती हो और उनवें वैचारिक धर्म परिवर्तन या दलबदल वे बाद यहां तक कि कल के नंगे भूखाने नेताओं के धनाद्य बन जाने के बाद भी बार बार जनता उन्हें निर्वाचित भी करता रहती हो। परन्तु उनके इस चरित्र से उत्तर दल के नेता भी भली भाँति वाकिफ होते हैं जहाँ वे अपने स्वार्थवर्ग व अपने राजनैतिक भविष्य संवारेन के नाम पर

वश अपना कुंगा बढ़ाने की गरज से उत्तर पुछते वर्षा है। दूसरा दर्जा का नाम मुख्यमंत्री वर्षा अपना उत्तर देकर उनके जनाधार का लाभ तो उठा लेते हैं वे परन्तु दल बदल या विचार परिवर्तन की इस स्थायीपूर्ण प्रक्रिया में वह नेता यह भूल जाता है कि उसपर ह्यादलबदल हाँ होने का टप्पा भी लग चुका है। राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे तमाम स्थायी व मौकापस्त नेता मिल जायेंगे जिन्हें आज वही पार्टीयां दृढ़ की मक्खी की तरह निकाल कर फेक चुकी हैं जिनका या तो मैत्रीपद पूरा हो चुका है या अब उनकी वहाँ कोई जरूर नहीं। वर्तमान चूनाव में भी ऐसे अनेक नेता दर दर भटकते दिखाई दे रहे हैं जिन्हें उनकी पार्टी ने इस बार प्रत्याशी नहीं बनाया। जबकि कल उन्होंने यही सोच कर दल बदल किया था कि नये दल में उनका राजनैतिक भविष्य सुरक्षित रहेगा। यहाँ मैं बिना नाम लिये एक उदाहरण देना चाहूंगा। एक व्यक्ति को कांग्रेस ने पहले जज फिर एक राज्य का मुख्यमंत्री

कांग्रेस नेताओं ने उन्हें बुझा दिया। वहाँ का कोई गुण नहीं था स्थापाएँ इसके कि उसके पिता बड़े राजनेता थे। बाद में वह सज्जन भाजपा में चले गये। आज चूंकि भाजपा वहाँ संघ पृष्ठभूमि के नेताओं को पूरी तरह आगे ला चुकी है इसलिये उस राज्य में उसे आयातित नेताओं या दलबदलुओं अथवा विचार परिवर्तन करने वालों की फिलहाल कोई खास जस्तर नहीं इसलिये भाजपा ने उन पूर्व मुख्यमंत्री महोदय को हैप्पना प्रमुख हँ बना कर उनका राजनैतिक हैसियत का अंदाज़ा करा दिया है। दलबदलुओं खासका विपरीत विचारधारा आं में दलबदल करने वाले नेताओं के साथ एक और ह्याखेलहँ खेला जाता है। उन्हें सर्वजनिक रूप से उस विचारधारा के विरुद्ध मुखिरित होकर बोलने को कहा जाता है जिसे वे छोड़ कर आये हैं। और मजबूरी वश चूँकि उसे अपने राजनैतिक भौविष्य की चिंता होती है इसलिये वह पार्टी के मूल नेताओं से भी

कुछ उदाहरण पेश हैं। जैसे हमंतर सरसामा। यह पहले कांग्रेस के विश्वविद्यालय नेताओं में थे। परन्तु जब से भाजपा में गए हैं तब से इनकी कारबुजारियाँ इनके वक्तव्य सब कुछ भाजपाई संघ संस्कारित नेताओं से कहीं बढ़ रही हैं। ऐसा इसलिये है कि इन्हें अपने मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाये रखने लिये स्वयं को यह प्रमाणित करना है वे संघ व भाजपा की सभी उमीदों खेरे उत्तरों। इसी तरह शहजाद पूनेवाले जैसे दलबदलुओं को भाजपा, प्रवक्ता बनाकर कांग्रेस पर उसी के शस्त्र प्रहर करवाती है। पिछले दिनों कांग्रेस के ही एक और प्रवक्ता गौरव बल्लभ भजपा में शामिल हुये। कल तउन्हें देश में कांग्रेस से बड़ी कोई धर्मनिरपेक्ष पार्टी नजर नहीं आती थी परन्तु पार्टी छोड़ते ही उन्होंने भाजपा की भाषा बोलते हुये कांग्रेस को सनातन विरोधी बताना शुरू कर दिया।

आत्मपॅम्पलेट - भारत की अपनी फॉरेस्ट गंप जो मराठी ने बनी है

जावेद अनीर

साल 2022 रिलीज हुयी आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्हा हॉलीवुड की कल्ट कलासिक फिल्म फॉरेस्ट गंग (1994) की आधिकारिक रिमेक थी, लेकिन इसमें रिमेक के दावे के अलावा फॉरेस्ट गंग जैसा कुछ भी नहीं था। यह एक डरी हुयी फिल्म थी जो गैर-विवादास्पद फिल्म बनने के दबाव में एक साधारण फिल्म बन कर रह गयी थी। वर्ष 2023 में रिलीज हुयी मराठी फिल्म द्वारा आत्मपूँखलेट हुक्म सैलिंक फिल्म है जो लिंग क्रियमें ही सही खुद को फॉरेस्ट गंग के वास्तविक भारतीय संस्करण के रूप में पेश करती है। यह एक बहुत ही प्यार से बनायी गयी फिल्म है जैसे हमें प्यार, दोस्ती और मासूमियत का जश्न मनाने का मौका देती है। पिछले दिनों मराठी भाषा की इस ब्लैक कॉमेडी को अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर रिलीज किया गया है। फिल्म की कहानी हमारे यहाँ बहुत कम ऐसी फिल्में हैं जो साम्प्रचिन्तिक-गणनीयिक महोरे पर बात व्यांग्यपूर्ण तरीके से डील करती हैं, आत्मपूँखलेट उन्हीं चुनिन्दा फिल्मों में से एक है जो बच्चों के नजरिए से भारतीय समाज पर एक मजेदार टिप्पणी करती है। आत्मपूँखलेट हाल के दिनों में सामाजिक-राजनीतिक विषय पर आई सबसे प्रभावशाली व्यांग्यात्मक फिल्मों में से एक है। फिल्म का मुख्य किरदार महाराष्ट्र में दलित समुदाय एक किशोर लड़का आशीष बेडे है जिसे अपनी सहपाठी सृष्टि से याप हो जाता है जो लालांग समुदाय जिसमें इंदिरा गांधी की हत्या, मंडल आयोग की रिपोर्ट की घोषणा और बाबरी मस्जिद विध्वंस जैसी महत्वपूर्ण घटनायें शामिल हैं। इस सामान्य किशोर प्रेमकथा में दिलचस्प मोड़ तब आना शुरू होता है जब हमें फिल्म के प्रमुख पात्रों के सामाजिक पष्ठभूमि के बारे में पता चलना शुरू होता है जो बातें भी बहुत बारीकी से दर्शाती हैं। फिल्म की कहानी काफी हद तक आशीष के बचपन और किशोरवास्था की प्रमुख घटनाओं पर आधारित है। फिल्म



कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करना चाहती है मानुषी छिल्लर

मिस

वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे बॉलीतुड़ में अपने पैर जमा रही है। उन्होंने फिल्म स्प्रैट वृथत्याराज से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। मानुषी इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में चल रही है। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अपने से बड़े अक्षय कुमार के साथ रोमांस फरमाया है। हालांकि, इसके लिए अभिनेत्री को ट्रोलिंग का भी समान करना पड़ा है। अब हाल ही में, मानुषी ने इस पर चूपी तोड़ी है।

बड़े मियां छोटे मियां में मानुषी अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिखाई दी है। एक तरफ जहां सोशल मीडिया उन्हीं औन्स्क्रीन कैमिस्ट्री की साझाहना की गई है। वहीं, दूसरी तरफ उनके बीच उम्र के महत्वपूर्ण अंतर ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। हाल ही में, मानुषी ने इस मार्केट पर अपनी विद्या राजा किए। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

बातचीत के दौरान जब मानुषी छिल्लर और अक्षय कुमार के बीच उम्र के अंतर का विषय उठाया गया, तो अभिनेत्री ने एक सुपरस्टार के रूप में उनकी प्रशंसा की ओर उनकी उम्र की परवाह किए बिना उनके साथ काम करने की इच्छा बताई। उन्होंने बताया कि अक्षय के साथ काम करके उनका समय बहुत अच्छा

गुजरा। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह कारिंग सर्बांध निर्णय नहीं लेती है और कारिंग निर्देशकों द्वारा दुने गए विकल्पों का सम्मान करती है। वह उन्हें दी गई भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और एक सुपरस्टार के साथ काम करने के अवसर को महत्व देती है, याकी इससे प्रोजेक्ट पर महत्व बना रहता है। मानुषी ने कहा, सुपरस्टार के साथ काम करना अच्छा है। आपको अच्छा खास स्क्रीन स्पॉस मिलता है। अगर मैं अपनी पहली फिल्म के बारे में बात करूं तो उम्र का अंतर था, लेकिन हमने भूमिकाएं अच्छे से निर्भाव। हमने मार्केटिंग के लिए गाने बनाए, इसलिए उन्हें गाने के लिए दो लोगों को एक साथ रखना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मैं इसे कुछ ऐसा नहीं मानती, जो नहीं होना चाहिए था।

मानुषी ने यह भी नहीं होना चाहिए था।

मानुषी की उम्र जो उम्री के लिए उन्होंने बतायी थी। उन्होंने बताया कि अक्षय के हीरो के साथ रखना चाहिए।

बातचीत के दौरान जब मानुषी छिल्लर और अक्षय कुमार के बीच उम्र के अंतर का विषय उठाया गया, तो अभिनेत्री ने एक सुपरस्टार के रूप में उनकी प्रशंसा की ओर उनकी उम्र की परवाह किए बिना उनके साथ काम करने की इच्छा बताई। उन्होंने बताया कि अक्षय के साथ काम करके उनका समय बहुत अच्छा

भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर 2' की शूटिंग हुई पूरी

मशहूर यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शूटिंग पूरी होने पर अभिनेता ने सभी का अभाव जताया है। बता दें कि भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर' को हॉटस्टार पर स्ट्रीम प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंद्र दंगल संगीत रचना संभाल रहे हैं। विजय देवरकौड़ा की आखिरी फिल्म दैनिकी स्टार बॉक्स ऑफिस पर पलांप हो गई। हालांकि, वीडी 12 के साथ उनकी दमदार वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।



की तरह है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा की हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। श्रिया, प्रथमेश, देवेन जी और सभी सीजन 2 की शूटिंग के लिए उत्साहित थे। उन्होंने अगे कहा, 'मुझे याद है जब मैंने सीजन 1 लॉन्च किया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसे इतना व्यार मिलेगा, खासकर मेरे किरदार 'वर्संट' की।

सीजन 2 आगे के लिए तेवार है। मैं इसका इंतजार नहीं कर पा रहा हूं कि दशक इस पर कैरी प्रतीक्षिया देंगे। मुझे उम्मीद है कि दशक दूसरे सीजन का आनंद लेंगे।

सीरीज की अभिनेत्री श्रिया पिलगंवकर ने कहा कि ताजा खबर किसी तरीजे से काम जारी है।

करने पर काम कर सकते हैं। दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुपी साथ रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, हाल ही में एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तेवार है और हीरो भी तेवार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कारिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा।

इस पर तीजी से काम जारी है।

एसएसमी 29 के जिरए महेश बाबू और

एसएस राजामौली पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक जंगल अंडवेंर फिल्म माना जा रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर होंगी।

इसके अलावा यह भी कहा जा है कि फिल्म में पौराणिक कथाओं और भारतीय

महाकाव्यों की डालक होगी, जो राजामौली का ट्रॉपर्न है। वहीं कहानी के बारे में बात करें तो खबर है कि फिल्म की पटकथा और महेश बाबू का किरदार रामायण के भगवान हुमान से प्रेरित है। फिल्म के लेखक

विजयेंद्र प्रसाद ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में खुलासा किया था कि निर्माता अफीका में एक एक्शन-अंडवेंर सेट के लिए हॉलीवुड

अभिनेताओं को शामिल करेंगे।

एसएसएमबी 29 को लेकर खास तैयारी कर रहे हैं महेश बाबू और एसएस राजामौली

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों फिल्म निर्माता एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 है। महेश बाबू और एसएस राजामौली की आज शुरूवात की शुरूवात दैनिकी स्टार बॉक्स ऑफिस पर पलांप हो गई। हालांकि, वीडी 12 के साथ उनकी दमदार वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

महेश बाबू, एसएस राजामौली और निर्माता कैपल नारायण दुबई से टौटोने पर आज सुबह राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखे गए। काफी समय हो गया है, जब प्रशंसकों को महेश बाबू और एसएस राजामौली को एक साथ देखने का आनंद मिलता है। महेश बाबू और एसएस राजामौली को एक साथ देखने का आनंद देखने पर देखे गए। इसे उन्होंने जींस के पास था और कधे देखे गए। जैकेट और नीचे ग्रीटी-शर्ट पहने देखा गया। इसे उन्होंने दोपी, धूप का चशमा पहन रखा था और कधे देखे गए। नजर आए। दोनों ने पैरेजी से दुरी बनाए रखी। उनकी हालिया ज़लक से प्रेरित है। बताया गया है कि दोनों दुबई से लौट रहे थे। फिल्मलाल फिल्म एसएसएमबी 29 अपने ग्री-प्रोडक्शन घरणे में एक नई धोणा।

टिवंकल खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री से राइटर बनी 50 साल की टिवंकल खन्ना अवकर अपनी फोटोज और वीडियोज को सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। टिवंकल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अभिनेत्री अपने हाथों पर लाल रंग की लिपस्टिक लगाती नज़र आ रही है। उन्होंने वह वीडियो उन लोगों के लिए शेयर किया जिन्हें 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के ऊपर गहरे लाल रंग की लिपस्टिक लगाने से परेहज है। टिवंकल खन्ना के इस वीडियो में वह कुछ सेकेंड के लिए अपने हाथों पर

लाल रंग लगाता हुआ नज़र आ रही है। फिर उन्होंने कैपर की तरफ कूछ इशारा किया। जब लोग कहते हैं कि 50 से अधिक उम्र की महिलाओं को ऐसा करना चाहिए, लाल लिपस्टिक मत लगाओ। अपने कैशन में टिवंकल ने लिखा, क्या आपको इस लिपस्टिक पर उम्र सीमा लिखी दिख रही है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सवाल पूछा कि, उन्हें क्या हाल फिल्मलाल में मेकअप को लेकर काइरो एक रिस्लाई टिवंकल खन्ना को लगाता नज़र आ रहे हैं। टिवंकल के इंस्टाग्राम रील्स पर एक कैमेंट में लिखा है, मेरा अभी 70वां जन्मदिन है और मैं नहीं रुक रही हूं। आपको या किसी और को क्यों ऐसा करना चाहिए। आपको लिपस्टिक लगाना पसंद है, कूप्या ऐसा करना जारी रखें। अब और यह लेकर काइरो एक रिस्लाई टिवंकल खन्ना को बालीदूर अभिनेत्री अक्षय कुमार से शादी के बाद एपना याय हिल्ला फैसला करता है। इसके लिए एक रिस्लाई टिवंकल खन्ना ने बॉलीदूर अभिनेत्री अक्षय कुमार से शादी के बाद एपना याय हिल्ला फैसला करता है।

'पंड्या स्टोर' छोड़ने की कवाह पर खुलकर बोली मेघा शर्मा

इसलिए मुझे ऐसा लग रहा था कि अभिनेत्री मेघा शर्मा अब धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' का हिस्सा नहीं रही है। मेघा का आरोपित अभिनेत्री ने इसके लिए एक कैपर की बदली कहानी के चलते बाहर कर दिया गया था। हालांकि, मेघा का अब यह कहना है कि ये शो उन्होंने खुद छोड़ दिया है। मेघा का आरोप है कि जैसे कहानी आगे बढ़ी थी, उनके किरदार को बदलते वाले ही अपने फिल्म से बाहर कर दिया गया था। धारावाहिक 'पंड्या स्टोर'

संक्षिप्त खबरें

अग्रिम पीड़ित प्रति परिवार को दी
गई 12 हजार रुपया सहायता दी



बारियारपुर (मुंगेर)। प्रखण्ड के गंगा पार घोषयत हरियां मार के दास ठोला में शनिवार को तोपहर 12 बजे लाजी आगे से कई घर जलकर राख हो गया था। आग से सभी पीड़ित बेचर हो गए। आग के घोषयत को प्रशासनिक स्तर पर परिवर्तित कर प्रशासनिक स्तर पर सहायता राशि के साथ प्लास्टिक शीट उपलब्ध कराया गई। पीड़ित सरिटा देवी, मानी देवी, संगीता देवी, जगदेव दास, अमूली देवी, आरती देवी सहित एक अच्युत को अचल बाल्मीकी राजनीति संजय कुमार के द्वारा अंगल परिवर्त में 7 हजार रुपया का बगद अनुदान एवं 5 हजार रुपया बर्ताव बरस्तर हुए कुल 12 हजार रुपया का बगद अंगल परिवर्त में आप से सात रुपया का बर्ताव हुए एवं एक बोट का मालाव बतावे हुए कहा कि एक सभी विक्रीता एक दबंग उम्मीदवार से एक बोट अधिक प्राप्त कर पार्षद बन गया, जो बाद में उप मुख्य पार्षद भी बना, इसलिए अपने प्रतिनिधि के चुनाव के लिए आपके एक बोट का बिनावना महत्व है, आप सभी सकते हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि 80 वर्ष के जीवन काल में आपको अपने सांसद नुस्खे हेतु मात्र 12 बार अवसर मिलता है, अगर आप बोट नहीं करते हैं तो 5 वर्ष तक आपको इस बात का मलाल रहेगा, जिसे मैं आपना बोट नहीं दिया था। वही उन्होंने कहा कि भागलपुर विधायिक बोट रहा है यहां का आधिकार तंत्र संरचना मजबूत है, तो फिर बोट में कमी क्यों हो रही है, इसलिए सोच में सुधार की आवश्यकता है।

साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान के दिन आपको अपने बोट असुविधा नहीं हो जिसके लिए प्रशासन का वह प्रयास रहा कि चर्चे चर्चे पर पुलिस बल लौटी रहेगा, जिसे के सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में सुधार की आवश्यकता है।

25 अप्रैल को एम यू ने रही ही छुटी मुंगेर। मंगलवार 23 अप्रैल को मुंगेर विश्वविद्यालय एवं इसके अधीन संचालित सभी कॉलेजों में छुट्टी रही। विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार यह छुटी वीरुंडुकुरंगरिया जर्जरी को लेकर स्वीकृति किया गया है।

25 अप्रैल से शुरू होगा वोकेशनल कार्यक्रम की परीक्षाएं

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय आगे विभिन्न कॉलेजों में संचालित बीसीपी वीरीया बायोटेक तथा वीरीया के परीक्षाएं आगामी 25 अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। इसके लेकर विश्वविद्यालय ने पटोंसा प्रायोगिक कार्यक्रम के लिए संबंधित छात्रों को असुविधा नहीं दी गई है। परीक्षा के विभिन्न कॉलेजों की रहेगी। असुविधा नहीं दी गई है। एक बोट अप्रैल से 2022-2023 की परीक्षा दो परीक्षा के बीचों पर संपन्न कराया जाएगा। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा के लिए न तो सही इलाज सुविधा उपलब्ध हो पाती है, और न तो सभी मरीजों के लिए केवल दबंग सुविधा हो पाती है, और न तो सभी मरीजों के लिए केवल दबंग सुविधा हो पाती है। आग यह कहे कि आपको जो असुविधा लौटा जाएगी तो उसके लिए इसलिए अपने बोट अप्रैल से 2022-2023 की परीक्षा दो परीक्षा के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा के लिए न तो सही इलाज सुविधा उपलब्ध हो पाती है, और न तो सभी मरीजों के लिए केवल दबंग सुविधा हो पाती है, और न तो सभी मरीजों के लिए केवल दबंग सुविधा हो पाती है। आग यह कहे कि आपको जो असुविधा लौटा जाएगी तो उसके लिए इसलिए अपने बोट अप्रैल से 2022-2023 की परीक्षा दो परीक्षा के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

भागलपुर। लोक सभा अमा निवारिया को स्वतंत्र, निषेध, शास्त्रीय एवं अधिकारिया भुलावारण में संपन्न करायी जाएगी। अप्रैल से लिए जाने की तैयारी कर रही है। परीक्षा विनियोगिक स्तर पर दिव्यांगजन के लिए इक्सीट और कॉर्टरिंग के बीचों पर संपन्न करायी जाएगी। वही दूसरी और वीरीया पार्ट 2 के अंतर्वर्ष परीक्षा की परीक्षा 25 से 30 अप्रैल के बीच तथा सिविली परीक्षा 1 और दो वीरीया दो एवं तीन मई को को संपन्न करायी जाएगी।

पीड़िलर्हाटी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तिथि निर्धारित : डीएम

मुंबई, एजेंसी। चैत्र मास के पावन महीने में,
कलर्स पूरे भारत के भक्तों को लक्ष्मी और नारायण

मुंबई, एजेंसी। चैत्र मास के पावन महीने में,
कलर्स पूरे भारत के भक्तों को लक्ष्मी और नारायण
है। जैसा कि यह
एचडीएसी 22
अप्रैल को रात 10
बजे अपनी

महाकृति लक्ष्मी नारायण - सुख सामर्थ्य सुनुलन
का प्रीमियर करने के लिए तैयार है, इसने एक
अनोखे अध्यात्मिक अनुभव का आनंदकाल किया

है जो पारंपरिक पूजा-अचंकन की सीमाओं से परे

है। लाखों लोगों का दिल जीतने के लिए तैयार,
कलर्स ने अपनी और दिल्ली में एचडीएसी 4 बी

इंटररिटर मर्मिंट बनाए हैं। ये आकर्षक गर्भगृह

भक्तों को लक्ष्मी नारायण की दिव्य उपस्थिति का
अपारपूर्ण ढंग से आनंद लेने की सहृदयित देते हैं।

चैनल सभी को इस मर्मिंट के साथ ले जाता है। उन्होंने एक लोकों को बताया कि उसके उत्तर पर दिल्ली से

देवता जीवित ही उठते हैं, जिससे ऐसा अनूठा जंच

तैयार होगा जहां भक्त उनकी आभा को महसूस

कर सकते हैं। हालांकि, यह आध्यात्मिक सफर

यहीं समाप्त नहीं होता है। कलर्स ने एक

अल्युथुनिक विजिल फैसले भी लॉन्च किया है,

जो भक्त अनोखे घंटे

में बैठकर ही लक्ष्मी और

नारायण का अशीकांदा पा सकते हैं। अपनी स्फीन्स

पर बस कुछ टैप करके, भक्त आध्यात्मिक जान

के वर्तुल तीर्थ में कदम रख सकते हैं। चाहे कोई

4 बी मर्मिंटों के दर्शन करना चाहे या विजिटल मर्मिंट

का भ्रमण करना चाहे, वे लक्ष्मी और नारायण की

महिमा देख सकते हैं और अपने प्रार्थना करके

अपने मन की बात कर सकते हैं।

पत्नी से यौन संबंध नहीं बना पा रहा था पति, हाई कोर्ट ने

माना तलाक का आधार

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने रिलेटिव

इपोर्टेसी का हालात देते हुए नव विवाह को जड़े की

शादी को निरसन बनाए की मंजूरी दे दी। कपल की

ओर से हाई कोर्ट में शांडियां की ओर से बताया गया

कि उसका 2/7 वर्षीय पति यौन संबंध नहीं बना पा

रहा था। हाई कोर्ट ने माना कि पति की रिलेटिव

इपोर्टेसी के कारण शादी को आगे जारी नहीं रखा

जा सकता। अदालत ने माना कि दोनों मानवीय

भावानात्मक का या शारीरिक रूप से नहीं जुड़ पाया।

मामले में सन्वादी व्यापूर्ति अन्यमूर्ति व्यापका को अधिक अन्यायपूर्ति एस जी चपलगांवकर की खंडपीठ

ने की। 15 अप्रैल को दिए अपने फैसले में

अदालत ने कहा कि सिर्फ 17 दिन में ही दंती की

हतात्ता और पीड़ा का पता लगता है। बाट दें कि

दंपती ने इसके पहले पत्रिकार अदालत में भी विवाह दर्ह किए जाने की मांग थी। लेकिन, उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने मामले में

सुनवाई के दौरान कहा कि यह मामला ऐसे युवाओं

की मदद करने के लिए उत्त्युक्त है जो एक-दूसरे

के साथ मानसिक, भावानात्मक या शारीरिक रूप

से नहीं जुड़ पाया।

ऐसी नुस्खता से है, जिसमें व्यक्ति किसी के

साथ यौन संबंध बनाने में असमर्थ हो सकता है।

ऐसा नहीं है कि वह दूसरे व्यक्तियों के साथ भी

यौन संबंध न बना पाया। यह अर्थ मानसिक और

भावानात्मक रूप से है। यह सामान्य नपुंसकता से

भिन्न स्थिति है।

अब ममता ने इंडिया

गठबंधन के मेनिफेस्टो पर

लगाया अंडंगा

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के चुनावी रथ को रोकने के लिए तैयार इंडिया

गठबंधन के सभी घटक दलों के बीच सीट

शेयरिंग पर तो आम समर्पित नहीं बन रही है।

सूर्यों का कहना है कि टीएमसी प्रमुखों को भवतात्ता और

संसाधनों को अपनी विवादों के बीच संयोग

करने की कोशिशें जारी हैं। अपांक का बाट दें कि

टीएमसी ने आगे बढ़कर बांगले में लेपत रखा

एक अधिकारी के लिए उत्तराधिकारी के लिए

एक न्यूनतम आम सहमति दस्तावेज जेपर करने

की ताकातिकता पर जारी रहने के लिए

एक अधिकारी को अपनी विवादों की मंजूरी दे दी।

टीएमसी को अपनी विवादों की मंजूरी दे दी।

इसका कारण है कि टीएमसी ने अपनी विवादों

को अपनी विवादों की मंजूरी दे दी।

अपनी विवादों की मंजूरी दे दी।</